University in News on 05 July 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

एलएलबी इंटीग्रेटेड कोर्स में एक सीट पर 43 दावेदार

लविवि में बीबीए व बीसीए में भी प्रवेश के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रोफेशनल कोर्सों में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों ने खास दिलचस्पी दिखाई है। यहां पांच वर्षीय एलएलबी इंटीग्रेटेड कोर्स में 160 सीटों पर प्रवेश के लिए करीब सात हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। ऐसे में कोर्स की एक सीट पर करीबन 43 अभ्यर्थियों ने प्रवेश के लिए अपना दावा पेश किया है।

प्रोफेशनल कोर्सों में प्रवेश के लिए सिर्फ एलएलबी ऑनर्स ही नहीं बल्कि प्रबंधन के कोर्सों की पढ़ाई ने भी अभ्यर्थियों को प्रभावित किया है। यहां बीबीए और बीसीए कोर्स में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रवेश के लिए आवेदन फॉर्म भरा है। बीबीए की 320 सीटों पर प्रवेश के लिए 4120 और इतनी ही सीटों पर बीसीए के लिए 3786 अभ्यर्थियों ने आवेदन फॉर्म भरा है।

बीबीए की एक सीट पर तकरीबन 13 और बीसीए की एक सीट पर तकरीबन 38 अभ्यर्थियों ने प्रवेश के लिए अपना दावा किया है। अभी आवेदन फॉर्म में और बढ़ोतरी होने की संभावना है। शुक्रवार तक फॉर्म भरने का मौका है।

320	4120	100	3786
सीटें हैं बीबीए की	ने किया आवेदन	सीटें हैं बीसीए की	ने किया आवेदन

बीते वर्ष के मुकाबले प्रोफेशनल कोर्सों में बढ़े आवेदन

- 11 से 18 जुलाई के बीच प्रस्तावित हैं प्रवेश परीक्षाएं

आज है आवेदन करने की अंतिम तिथि, अभी और आने की संभावना

पाठ्यक्रम में सीटें व आवेदन

2024-25	एलएलबी इंटीग्रेटेड	160 -6935
2023-24	एलएलबी इंटीग्रेटेड	60 -5464
2024-25	बीबीए	320 - 4120
2023-24	बीबीए	320 - 3700
2024-25	बीसीए	100 - 3786
2023 -24	बीसीए	100 - 3392

वेबसाइट पर किया अपलोड

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय में गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या बढ़ी है। उन्होंने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा की तिथियां और उनका पाठ्यक्रम वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। अभ्यर्थी वहां से विस्तृत सूचना प्राप्त कर सकते हैं। यूजी पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाएं 11 से 18 जुलाई के बीच प्रस्तावित है। अभ्यर्थी आठ जुलाई से अपना प्रवेशपत्र डाउनलोड कर सकेंगे।

लविवि : 37 पाठ्यक्रमों के परिणाम जारी

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने बृहस्पतिवार को 37 कोर्सों के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए। विद्यार्थी लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर विस्तृत परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने पत्र जारी करते हुए परिणाम जारी होने की सूचना दी। परीक्षा विभाग की ओर से जिन कोर्सों के परिणाम जारी किए गए हैं उसमें बीवीए, एमवीए, एमए, एमसीए, बीएससी एनईपी आठवें, चौथे, छठे व दूसरे सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम शामिल हैं। संवाद

आईटी कॉलेज में नौ से काउंसिलिंग

लखनऊ। आईटी कॉलेज में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 9 जुलाई से काउंसिलिंग शुरू होगी। सभी पाठ्यक्रमों के लिए छात्राओं को ऑनलाइन ही काउंसिलिंग प्रक्रिया में भाग लेना होगा। जो वेबसाइट के माध्यम से पूरी कर सकेंगी। कॉलेज में बीए, बीएससी, बीकॉम सहित अन्य कोर्सों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा बुधवार को संपन्न हो चुकी है। अब इसका परिणाम आना बाकी है। प्रवेश समन्वयक प्रो. एचओ द्विवेदी ने बताया कि हमारा प्रयास की आठ जुलाई की शाम पांच बजे तक प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया जाए, नौ जुलाई से छात्राओं की काउंसिलिंग प्रक्रिया को शुरू करवा दिया जाए।

महिला अध्ययन विषय का नाम बदला

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन संस्थान में चलने वाले कोर्स एमए वीमेन स्टडीज के नाम में बदलाव कर दिया गया है। इस पाठ्यक्रम में अब जेंडर स्टडीज भी जोड़ दिया गया है। इससे पाठ्यक्रम को अब एमए इन वीमेन एंड जेंडर स्टडीज के नाम से जाना जाएगा। पाठ्यक्रम में महिलाओं के मुद्दे शामिल करने के साथ ही लिंग के जटिल गतिशीलता को शामिल किया गया है। इस बदलाव का उद्देश्य छात्रों को लिंग संबंधों, अंतरसंबंधिता, और लिंग स्पेक्ट्रम के विभिन्न अनुभवों की गहरी समझ प्रदान करना है।

एंटी रैगिंग समिति का किया गठन

- लविवि ने नवीन शैक्षणिक सत्र में रैगिंग की रोकथाम व प्रभावी नियंत्रण के लिए 11 सदस्यीय समिति का गठन बृहस्पतिवार को कर दिया। समिति विवि में रैगिंग से संबंधित मामलों की जांच कर कार्रवाई करेगी। कुलसचिव डॉ. विनोद सिंह की ओर से जारी पत्र में मुख्य कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी को समिति का अध्यक्ष नामित किया गया है। डीएसडब्ल्यू प्रो. संगीता साहू, चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप सिंह, आर्ट्स कॉलेज के प्राचार्य प्रो. रतन कुमार, नवीन परिसर के प्राक्टर प्रो. अहमद, अतिरिक्त कुलानुशासक डॉ. ओपी शुक्ला, डॉ. कमर इकबाल, डॉ. राजेश्वर यादव, डॉ. प्रवीश प्रकाश, डॉ. अन्विता व प्रो. राजकुमार को बतौर सदस्य समिति शामिल किया गया है। (संवाद)

कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बृहस्पतिवार को इंजीनियरिंग संकाय में होने वाली अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस की पुस्तक का विमोचन किया। कुलपति ने संकाय में शोध आधारित कार्यक्रमों एवं शोध कार्यों में सहभागिता के लिए संकाय के शिक्षकों और छात्रों को बधाई दी। डीन प्रो. एके सिंह ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस टेलर एंड फ्रांसिस में प्रस्तुत किए 38 शोध पत्रों को इस किताब में प्रकाशित किया गया है। इस मौके पर डॉ. जीशान अली सिद्दीकी, डॉ. सिद्धार्थ सिंह, डॉ. कमलेश तिवारी आदि उपस्थित रहे। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 7

लखनऊ विश्वविद्यालय में बीते वर्ष की अपेक्षा इस बार बढ़ी आवेदनों की संख्या

वकालत पढ़ने का रुझान बढ़ा, एक सीट पर 44 छात्रों ने की दावेदारी

दाखिले की दौड़

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में एलएलबी पांच वर्षीय पाठ्यक्रम की सबसे अधिक डिमांड है। एक सीट के सापेक्ष 44 अभ्यर्थियों की दावेदारी है। इसके बाद बीसीए और बीबीए में अभ्यर्थियों में रुझान देखने को मिला है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2024-25 के तहत विवि में प्रवेश के लिए आवेदन करने वालों की संख्या पिछली बार की अपेक्षा बढ़ी है। स्नातक और स्नातक प्रोफेशनल कार्यक्रमों में शुक्रवार तक आवेदन लिए जाएंगे। एलएलबी स्नातक पांच वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए 160 सीटें उपलब्ध हैं। अभी तक 6935 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। लिहाजा एक सीट के सापेक्ष 44 अभ्यर्थियों की दावेदारी है।

इसके अलावा बीबीए में 320 सीटें हैं। अभी तक 4120 आवेदन आ चुके हैं। एक सीट के सापेक्ष 13 दावेदार हैं। वहीं बीसीए में 100 सीटों के सापेक्ष 3786 आवेदन आए हैं। इससे प्रति सीट 38 अभ्यर्थियों की दावेदारी है। यानी सीटों के मुकाबले अभ्यर्थियों की संख्या कहीं अधिक है।

13 दावेदार हैं एक सीट के सापेक्ष औसतन दाखिले के लिए

- शुक्रवार तक आवेदन लिए जाएंगे कई पाठ्यक्रमों में

आवेदनों की स्थिति

2023-24	2024-25
पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम
एलएलबी पांच वर्षीय-5464	एलएलबी पांच वर्षीय-6935
बीबीए-3700	बीबीए- 4120
बीसीए- 3392	बीसीए- 3786

छात्रों ने कोर्स संचालन जारी रखने की उठाई मांग

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में एमएससी इन मॉलिक्यूलर एंड ह्यूमन जेनेटिक्स कोर्स संचालन को जारी रखने के लिए छात्रों ने मांग उठाई है। इस संबंध में सत्र 2022-23 और 2023-24 के छात्र-छात्राओं ने राज्यपाल, मुख्यमंत्री, कुलपति और कुलसचिव को पत्र लिखकर कोर्स को न बंद करने की अपील की है। एलयू स्थित ओएनजीसी बिल्डिंग में संचालित इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस मॉलिक्यूलर एंड इन्फेक्शियस डिजीज में संचालित एमएससी इन मॉलिक्यूलर एंड ह्यूमन जेनेटिक्स कोर्स को बंद कर दिया गया है। सत्र 2024-25 के प्रवेश ब्रोशर से भी इसे हटा दिया गया है।

अब वुमन संग जेंडर स्टडीज की भी होगी पढ़ाई

एलयू के महिला अध्ययन संस्थान ने अपने मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए) इन वुमन स्टडीज कार्यक्रम का नाम बदलकर मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए) इन वुमन एंड जेंडर स्टडीज कर दिया है। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि कोर्स में जेंडर थ्योरी, फेमिनिस्ट रिसर्च मेथडोलॉजी, सेक्सुएलिटी स्टडीज और इंटरसेक्शनल एनालिसिस जैसे प्रमुख विषयों को कवर किया गया है। छात्रों को समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, इतिहास और सांस्कृतिक अध्ययन से जोड़ा जाएगा। प्रवक्ता का कहना है कि शैक्षणिक माहौल में हो रहे बदलाव के कारण ही यह निर्णय लिया है। कोर्स में न केवल महिलाओं बल्कि लिंग की जटिल गतिशीलता भी शामिल हैं। इससे छात्रों में लिंग संबंधों, अंतर संबंधिता की समझ होगी।

बीवीए, एमवीए समेत कई विषयों के रिजल्ट जारी

एलयू में सम सेमेस्टर परीक्षा 2024 के तहत बीवीए, एमवीए, बीएससी एनईपी, एमए और एमसीए का रिजल्ट जारी किया गया है। परीक्षार्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए रिजल्ट देख सकते हैं। वेबसाइट पर रिजल्ट जारी कर दिया गया है। जहां से छात्र-छात्राओं को पूरी तरह से रिजल्ट देखने को मिल सकता है।

इंजीनियरिंग विभाग की कान्फ्रेंस बुक का विमोचन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय की कॉन्फ्रेंस बुक का विमोचन गुरुवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। जिसका नाम 'रीसेंट एडवांसेस इन कम्प्यूटशनल इंटेलीजेंस एंड साइबर सिक्योरिटी' रखा गया है। एलयू के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में सत्र 2023-24 में अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस आईसीसीआईसीएस का आयोजन किया गया था। विभाग की ओर से इस कॉन्फ्रेंस की एक बुक तैयार की गई है।

एलयू तैयार करेगा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में अब अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को तैयार किया जाएगा। इसके लिए रूपरेखा लगभग तय कर ली गई है। जिसके मुताबिक एक बोर्ड का गठन करने की योजना बनाई गई है। इसमें बीपीएड का संचालन करने वाले कॉलेजों के शिक्षकों को भी जगह दी जाएगी। इससे किसी भी खेल के लिए खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया को पारदर्शी भी बनाया जा सकेगा।

एलयू के शारीरिक शिक्षा विभाग में अध्ययनरत छात्रों को खेलों की प्रैक्टिकल प्रैक्टिस समेत ज्यादा सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। इसके पीछे कारण शिक्षकों की कमी है। क्योंकि शारीरिक शिक्षा विभाग में नियमित तौर पर दो ही शिक्षक कार्यरत हैं। जिनके ऊपर बीपीएड और एमपीएड की कक्षाएं लेने की मुख्य जिम्मेदारी समेत पीएचडी कर रहे शोधार्थियों का मार्गदर्शन करना भी है। जिसकी वजह से उनका फोकस प्रैक्टिकल प्रैक्टिस पर कम रहता है। इसका खामियाजा छात्रों को उठाना पड़ता है। जिसे बीते महीनों में छात्रों ने प्रदर्शन कर उठाया भी था।

इसके बाद कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्रों से व्यक्तिगत तौर पर बातचीत कर मामले की गहराई को समझा। साथ ही उन्होंने छात्रों को आश्वस्त किया था कि विश्वविद्यालय में खेल और खिलाडियों के हालात बदलेंगे। इसके मद्देनजर ही कई प्लान तैयार किए गए हैं। जिन पर जल्द अमल किया जाएगा ताकि बेहतर टीम और खिलाड़ी तैयार हों।

- चयन प्रक्रिया को अब और पारदर्शी बनाया जाएगा
- खेल का स्तर ऊंचा करने को बोर्ड का गठन होगा

टीम में बेहतर खिलाड़ियों को ही जगह मिलेगी

एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि टीम में अब खिलाडियों की चयन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाएगा। किसी भी खेल के टूर्नामेंट के लिए चुनी जाने वाली टीम में बेहतर खिलाड़ियों को ही जगह मिलेगी। ट्रायल में भी पूरी तरह से पारदर्शिता बरती जाएगी। इसके लिए एक बोर्ड का गठन किया जा रहा है। कुलपति ने बताया कि इसमें बीपीएड का संचालन करने वाले कॉलेजों के शिक्षकों को भी स्थान मिलेगा। जिससे किसी के साथ अन्याय न हो। यह बोर्ड ही खिलाड़ियों का चयन करेगा।

i-NEXT PAGE 4

बीसीए में एक सीट पर 32 दावेदार

एलयू के कई कोर्सों में एडमिशन को होगी कड़ी जंग

दो वर्ष में आए आवेदनों की संख्या

कोर्स	सत्र 2023-24	2024-25
बीबीए	3700	4120
बीसीए	3392	3786
एलएलबी	5464	6935

आठ को जारी होंगे प्रवेश पत्र

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि स्नातक के सभी कोर्सों में प्रवेश परीक्षाएं 11 जुलाई से शुरू होंगी. इसके लिए प्रवेश पत्र आठ जुलाई को जारी होंगे. विश्वविद्यालय में स्नातक एवं स्नातक प्रोफेशनल कोर्सों की लगभग 4250 सीटें हैं.

LUCKNOW (4 JULY): लखनऊ विश्वविद्यालय में इस बार भी प्रोफेशनल कोर्सों में शामिल एलएलबी, बीबीए और बीसीए में एडमिशन के लिए कड़ा मुकाबला होगा. गुरुवार को यूनिवर्सिटी की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार अब तक एलएलबी पांच वर्षीय (इंटीग्रेटेड) कोर्स में 1 सीट पर 66 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है. वहीं, बीबीए में 1 सीट पर 15 तो बीसीए में 32 दावेदार हैं. यूजी कोर्सों में आनलाइन आवेदन का लास्ट डे शुक्रवार है. एलयू को नैक ए प्लस प्लस ग्रेड के साथ-साथ यूजीसी से ग्रेड वन विश्वविद्यालय का दर्जा मिलने के बाद यहां पढ़ने के लिए विदेशी विद्यार्थियों के साथ-साथ अभ्यर्थियों की रुचि बढ़ रही है.

आ रहे काफी आवेदन

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सबसे ज्यादा प्रतिस्पर्धा स्नातक विधि पांच वर्षीय पाठ्यक्रम (एलएलबी) एवं प्रबंधन (बीबीए, बीसीए) के कोर्सों में है. अभी एलएलबी में पांच वर्षीय कोर्स में विश्वविद्यालय परिसर की 160 सीटों के सापेक्ष 6935 आवेदन आ चुके हैं. बी.बी.ए की 320 और बीसीए की 100 सीटों के सापेक्ष गुरुवार तक 7906 आवेदन फार्म आ चुके हैं.

पीजी व डिप्लोमा कोर्सों में 17 तक मौका

लखनऊ विश्वविद्यालय के परास्नातक एवं डिप्लोमा कोर्सों में आनलाइन आवेदन के लिए 17 जुलाई तक मौका दिया गया है. अभ्यर्थी https://www.lkouniv.ac.in/ के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं.

केएमसी में जारी होगी मेरिट, आठ से प्रवेश

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय (केएमसी) में स्नातक और परास्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए सूची जल्द ही जारी होगी. आठ जुलाई से प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी. वहीं, प्रोफेशनल और तकनीकी कोर्स में प्रवेश के लिए 13 जुलाई को प्रवेश परीक्षा निर्धारित है.केएमसी में बीबीए, बीसीए, बीटेक, एमबीए जैसे पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा होगी, जबकि बीए, बीएससी, बीकाम जैसे स्नातक कोर्स में 12वीं की मेरिट से प्रवेश लिए जाएंगे. इसकी मेरिट तैयार हो गई है.

कुछ कोर्स में सीट और आवेदन की स्थिति

कोर्स	सीट	आवेदन
बीकाम	120	101
बीएएलएलबी	60	101
एलएलएम	90	98
एमबीए	120	143
बीसीए	180	176
बीटेक कंप्यूटर साइंस	180	195
फार्मेसी	60	57

एलयू वीसी ने किया पुस्तकों का विमोचन

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने गुरुवार को अभियंत्रिकी एवं तकनीकी संकाय मे दो कांफ्रेंस की पुस्तकों का विमोचन किया. इनमें सत्र 2023-24 मे आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस आईसीसीआईसीएस-2023 की पुस्तक रीसेट एडवांसेस इन कंप्यूटशनल इंटेलीजेंस एंड साइबर सिक्योरिटी और टेलर एंड फ्रांसिस प्रकाशन एवं राष्ट्रीय कांफ्रेंस आरएसीएमईई-2023 की रीसेट एडवांसेस इन सिविल, मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पुस्तक शामिल है.

बीएनएस में पुलिस होगी पास, एलयू के गुरुजी लेंगे क्लास!

LUCKNOW (4 July, inext): देश में भारतीय दंड संहिता यानि आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता यानि बीएनएस ने ले ली है. यूपी में पहले दिन अमरोहा के थाने में गैर इरादतन हत्या के मामले में बीएनएस की धारा 106 के तहत एफआईआर भी दर्ज हुई थी, लेकिन अब भी थानों में उहापोह की स्थिति बनी हुई है. दीवान से लेकर दारोगा और इंस्पेक्टर भी किताबों को पढ़ रहे हैं. इसकी वजह यह है कि अगर कोई भी धारा इधर से उधर हुई तो मुकदमा ही बदल जाएगा. यही वजह है कि राजधानी में अब पुलिस कमिश्नरेट अपने पुलिसकर्मियों को धाराओं को रटवाने के लिए अनुभवी प्रोफेसरों का सहारा लेने जा रही है.

मुंशी से लेकर दारोगा तक खोले बैठे हैं किताब

आजकल लखनऊ के थानों में मुंशी से लेकर दारोगा तक किताबें पढ़ते दिख रहे हैं. ये किताबें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय न्याय संहिता 2023 की हैं, जिनमें से सभी धाराओं के विषय में लिखा है जो एक जुलाई से लागू हो चुकी है. इसमें आईपीसी की पुरानी धाराओं के सामने बीएनएस की नई धाराएं लिखी हैं. इनमें सभी जानकारियां डिटेल में दी गई है.

एफआईआर दर्ज करने में लग रहा अधिक समय

एक जुलाई से ही थानों में जितनी भी शिकायतें या तहरीर आ रही हैं, उन्हें अब पहले की तरह मुंशी नहीं लिख पा रहा है. ऑफ द रिकॉर्ड पुलिसकर्मियों ने बताया कि एक जुलाई से एक मुकदमा लिखने में पहले की अपेक्षा तीन दुगना समय लग रहा है. छोटी सी गलती मुकदमे का स्वरूप ही बदल सकती है, लिहाजा हर शिकायती पत्र मिलने पर किताब खोल कर देखना पड़ रहा है.

पुलिसकर्मियों को पढ़ाएंगे नई धाराएं

लखनऊ सेंट्रल की एडीसीपी मनीषा सिंह ने बताया कि लखनऊ पुलिस अपने कर्मियों को नए कानून के विषय में जागरूक कर रही है, उनके लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया गया. सीनियर अफसरों ने ट्रेनिंग भी दी है. हालांकि, अभी भी थोड़ी बहुत समस्या आ रही है. इसके लिए हमने अब लखनऊ यूनिवर्सिटी से मदद मांगी है. हमने लखनऊ यूनिवर्सिटी को एक पत्र लिखा है, जिसमें अनुरोध किया है कि वहां के प्रोफेसर हमारे पुलिसकर्मियों के लिए खास क्लास का आयोजन करें ताकि उन्हें नए कानून को याद रखने में मदद मिले.

PIONEER PAGE 3

एलयू में बीबीए-बीसीए व एलएलबी इंटीग्रेटेड में दाखिले के लिए मार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शैक्षणिक सत्र 2024-25 में दाखिले के लिए चल रही स्नातक प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत इस बार बीबीए व बीसीए सहित एलएलबी इंटीग्रेटेड में दाखिले के लिए छात्रों की भारी भीड़ है। स्नातक एवं स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में अब तक पिछले सत्र की तुलना में काफ़ी अधिक आवेदन आ चुके हैं।

विश्वविद्यालय के स्नातक एवं स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन आवेदन अंतर्गत पर्याप्त वृद्धि पिछले वर्ष की तुलना में दर्ज हुई है। सबसे ज्यादा आवेदन इस बार विधि 5 वर्षीय पाठ्यक्रम एवं बीबीए व बीसीए के पाठ्यक्रमों में देखी जा रही है। विधि स्नातक पाँच वर्षीय पाठ्यक्रम में विश्वविद्यालय परिसर 160 सीटें उपलब्ध हैं। जिनके सापेक्ष लगभग 7000 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। जबकि आवेदन करने की अंतिम तिथि में 5 जुलाई है। इस प्रकार एक सीट के सापेक्ष लगभग 44 दावेदार हैं। इसी प्रकार बीबीए (320) एवं बीसीए (100) पाठ्यक्रम में 420 सीटों के सापेक्ष अभी तक लगभग 8000 आवेदन फॉर्म आ चुके है। अर्थात् एक सीट के सापेक्ष बीबीए में लगभग 14 दावेदार एवं बीसीए में 38 दावेदार दिखाई दे रहे हैं। जबकि आवेदन की अंतिम तारीख़ 5 जुलाई है।

एक नजर आवेदन पर 2023-24

- बीबीए- 3700
- बीसीए- 3392

वर्ष 2024-25 में

- बीबीए- 4120
- बीसीए- 3786

एलएलबी इंटीग्रेटेड

- 2023-24 - 5464
- 2024-25 - 6935

AMRIT VICHAR PAGE 5

लविवि : विधि में 160 सीटों के सापेक्ष 7 हजार से अधिक आवेदन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में विधि पाठ्यक्रमों के लिए 160 सीटों के सापेक्ष 7 हजार से अधिक आवेदन आ चुके हैं। ऐसे में एक सीट के सापेक्ष कुल 44 से अधिक दावेदार बन चुके हैं।

विवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया है कि शुक्रवार को विवि में स्नातक में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 5 जुलाई है। सबसे अधिक प्रतिस्पर्धा स्नातक विधि पांच वर्षीय पाठ्यक्रम (एलएलबी इंटीग्रेटेड) एवं प्रबंधन, बीबीए और बीसीए के पाठ्यक्रमों में देखी जा रही है। बीबीए में 320 और बीसीए में 100 सीटें निर्धारित की गई हैं। इसमें कुल 420 सीटों के सापेक्ष अब तक 8000 आवेदन फॉर्म आ चुके हैं। बीबीए में एक सीट के सापेक्ष 14 दावेदार और बीसीए में 38 दावेदार हैं।

प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों की बढ़ी संख्या : प्रवक्ता का कहना है कि छात्र अब पढ़ाई के साथ रोजगार के अवसर को भी इंगित कर रहा है। विवि कैंपस प्लेसमेंट में काफी आगे है। यहीं कारण है कि सत्र 2024-25 में लविवि में प्रवेश के लिए बड़ी संख्या में अभ्यर्थी आवेदन कर रहे हैं। बताया कि स्नातक एवं स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में अब तक पिछले सत्र की तुलना में अधिक वृद्धि हुई है।

इन विषय पर इतने आवेदन

वर्ष	विषय	आवेदन
2023-24	बीबीए	3700
2023-24	बीसीए	3392
2024-25	बीबीए	4120
2024-25	बीसीए	3786
2023-24	एलएलबी (5 वर्षीय)	5464
2024-25	एलएलबी (5 वर्षीय)	6935

एमए इन वीमेन स्टडीज कोर्स का नाम बदला : विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन संस्थान ने अपने मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए) इन वीमेन स्टडीज कोर्स का नाम बदलकर मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए) इन वीमेन एंड जेंडर स्टडीज कर दिया है। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि ये बदलाव शैक्षणिक परिदृश्य में हो रहे विकास, समावेशिता और व्यापक शिक्षा के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस बदलाव का उद्देश्य छात्रों को लिंग संबंधों, अंतर्संबंधिता और लिंग स्पेक्ट्रम के विभिन्न अनुभवों की गहरी समझ प्रदान करना है।

पुस्तक का विमोचन करते लविवि के कुलपति आलोक कुमार राय। अमृत विचार

अभियांत्रिकी व तकनीकी संकाय कॉन्फ्रेंस की पुस्तक का विमोचन

लविवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस की पुस्तक का विमोचन कुलपति आलोक कुमार ने किया। इस दौरान पुस्तक से जुड़ी जरूरी जानकारियां भी साझा की गईं। लविवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकायाध्यक्ष प्रो. एके सिंह ने बताया कि कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग और इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार विभाग ने संयुक्त रूप से आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में टेलर एंड फ्रांसिस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क, इमेज प्रोसेसिंग, इलेक्ट्रॉनिक ऑटोमेशन आदि विषयों को लेकर शोध पत्र प्रकाशित किए। राष्ट्रीय कांफ्रेंस में 59 शोध पत्र, जिसमें से 12 शोध पत्र ब्रिटेन, युगांडा, मॉरीशस, सऊदी अरब के डिलेगेट्स की ओर से इंडस्ट्री 4.0, 3डी प्रिंटिंग, बायोमैकेनिक्स, नैनोटेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स से सम्मिलित थे, जो प्रकाशित किये गए। इस दौरान कॉन्फ्रेंस के कोऑर्डिनेटर डॉ. जीशान अली सिद्दीकी सहित कांफ्रेंस आर्गेनाइजिंग कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे।

TOI PAGE 5

7,000 apply for 160 LLB seats

Lucknow: It will be tough fight for admission to Lucknow University's LLB (5-year integrated course) and management courses for the academic session 2024-25. Against 160 seats in LLB, LU has received around 7,000 applications so far, with five days still left for the application window to close. This means at least 66 candidates will compete for a single LLB seat.

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

एलयू ने एमए पाठ्यक्रम का नाम बदला

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के महिला

एमए इन वीमेन एंड जेंडर स्टडीज किया

अध्ययन संस्थान ने अपने मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए)इन वीमेन स्टडीज कार्यक्रम का नाम बदलकर मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए) इन वीमेन एंड जेंडर स्टडीज कर दिया है। यह बदलाव शैक्षणिक परिदृश्य में हो रहे विकास और समावेशिता और व्यापक शिक्षा के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संशोधित कोर्स शीर्षक, एमए इन वीमेन एंड जेंडर स्टडीज, एक व्यापक दृष्टिकोण का संकेत देता है, जिसमें न केवल महिलाओं के मुद्दे शामिल हैं बल्कि लिंग के जटिल गतिशीलता भी शामिल हैं। इस बदलाव का उद्देश्य छात्रों को लिंग संबंधों, अंतरसंबंधिता और लिंग स्पेक्ट्रम के विभिन्न अनुभवों की गहरी समझ प्रदान करना है।

कोर्स के लाभ

व्यापक पाठ्यक्रम: यह कोर्स जेंडर थ्योरी, फेमिनिस्ट रिसर्च मेथडोलॉजी, सेक्सुएलिटी स्टडीज और इंटरसेक्शनल एनालिसिस जैसे प्रमुख विषयों को कवर करने वाला विस्तृत पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

अंतरविषयक दृष्टिकोण: छात्रों को समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, इतिहास और सांस्कृतिक अध्ययन जैसे क्षेत्रों से जुड़ने का लाभ मिलेगा।

बेहतर करियर का अवसर: स्नातक शिक्षा, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक नीति, वकालत और गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) में करियर के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित होंगे, जहां लिंग मुद्दों की समझ का महत्व बढ़ता जा रहा है।

अनुसंधान और व्यावहारिक कौशलः कार्यक्रम सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल दोनों पर जोर देता है,जिससे छात्रों को सार्थक अनुसंधान करने और प्रभावी वकालत में संलग्न होने के लिए तैयार किया जाता है।

वैश्विक दृष्टिकोणः यह कोर्स विभिन्न संस्कृतियों और वैश्विक संदर्भों से दृष्टिकोण शामिल करता है, जिससे छात्रों की लिंग मुद्दों की समझ और समृद्ध होती है। महिला अध्ययन संस्थान एक समावेशी और समान शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह नाम परिवर्तन समकालीन शैक्षणिक और सामाजिक चर्चाओं के साथ कार्यक्रम को संरेखित करने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस की पुस्तक का विमोचन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में सत्र 2023-24 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस आईसीसीआईसीएस-2023 की पुस्तक रीसेंट एडवांसेस इन कम्प्यूटशनल इंटेलीजेंस एंड साइबर सिक्योरिटी, टेलर एंड फ्रांसिस प्रकाशन एवं राष्ट्रीय कान्फ्रेंस आरएसीएमईई-2023 की रीसेंट एडवांसेस इन सिविल, मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पुस्तक श्रृंखला का लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने विमोचन किया। कुलपति ने संकाय में शोध आधारित कार्यक्रमों एवं संकाय के शिक्षकों और छात्रों की शोध कार्यों में सहभागिता के लिए बधाई दी। संकाय अध्यक्ष प्रो.एके सिंह ने बताया कि कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग और इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस में टेलर एंड फ्रांसिस में 38 शोध पत्र, जोकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क, इमेज प्रोसेसिंग, इलेक्ट्रॉनिक ऑटोमेशन आदि नई भविष्य की तकनीकी पर शोध पत्र प्रकाशित किए गए। मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय कान्फ्रेंस में 59 शोध पत्र जिसमें से 12 शोधपत्र ब्रिटेन, युगांडा, मॉरीशस, सऊदी अरब के डिलेगेट्स के द्वारा इंडस्ट्री 4.0, 3डी प्रिंटिंग, बायोमैकेनिक्स, नैनोटेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स संबंधित शोधपत्र प्रकाशित किए गए थे। इस अवसर पर कान्फ्रेंस के कोऑर्डिनेटर डॉ.जीशान अली सिद्दीकी, डॉ.सिद्धार्थ सिंह, डॉ.कमलेश तिवारी सहित कान्फ्रेंस आर्गेनाइजिंग कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे।

एलयू में रैगिंग की रोकथाम को समिति गठित

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में शन्तिपूर्ण माहौल में

प्रो.राकेश द्विवेदी अध्यक्ष नामित

शैक्षिक गतिविधियां संचालित कराने के लिए कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के आदेश पर शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए उच्च शिक्षण संस्थान के उभय परिसर में रैगिंग की रोकथाम और उस पर प्रभावी नियंत्रण के लिए 11 सदस्यों की एक एण्टी रैगिंग समिति गठित किये जाने की स्वीकृति मिल गई है। इस नवगठित एण्टी रैगिंग समिति का अध्यक्ष प्रो.राकेश द्विवेदी, कुलानुशासक, लविवि को नामित किया गया है। इसके अलावा समिति के 10 सदस्यों में प्रो.संगीता साहू, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण लविवि, प्रो.अनूप कुमार सिंह, मुख्य अनिरक्षक लविवि छात्रावास, डा.रतन कुमार, प्राचार्य कला एवं शिल्प महाविद्यालय लविवि, डॉ.ओपी शुक्ला, अपर कुलानुशासक लविवि, प्रो.मोहम्मद अहमद, अपर कुलानुशासक, लविवि द्वितीय परिसर, डा.कमर इकबाल, अपर कुलानुशासक लविवि, डॉ.राजेश्वर प्रसाद यादव, अपर कुलानुशासक लविवि, प्रो.राजकुमार, सहायक कुलानुशासक लविवि द्वितीय परिसर, डॉ.प्रवीश प्रकाश सहायक कुलानुशासक लविवि और डॉ.अन्विता वर्मा सहायक कुलानुशासक, लविवि को सदस्य नामित किया गया है।

लविवि में प्रवेश के लिए बढ़ी प्रतिस्पर्धा

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के कुशल नेतृत्व

स्नातक पाठ्यक्रमों में तय सीटों से कई गुना अधिक आवेदन

के परिणामस्वरूप संस्थान का कलेवर बिल्कुल बदल गया है जिसका प्रभाव प्रवेश आवेदन फॉर्म पर भी परिलक्षित हो रहा है। सत्र 2024-25 में लविवि में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के रूप में दिखाई दे रहा है। इसका कारण कुलपति के निर्देशन में विश्वविद्यालय में हो रहे चतुर्दिक विकास, अध्ययन एवं अध्यापन का माहौल और विकसित होना एवं छात्र-छात्राओं का लगातार हो रहा कैंपस प्लेसमेंट शामिल है। स्नातक एवं स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में अब तक पिछले सत्र की तुलना में काफी अधिक आवेदन आ चुके हैं। विश्वविद्यालय के स्नातक एवं स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में ऑलाइन आवेदन के अंतर्गत पर्याप्त वृद्धि पिछले वर्ष की तुलना में इस साल दर्ज हुई है। जिसमें सबसे अधिक प्रतिस्पर्धा स्नातक विधि 5 वर्षीय पाठ्यक्रम एवं प्रबंधन बीबीए व बीसीए के पाठ्यक्रमों में देखी जा रही है। लविवि के विधि स्नातक पांच वर्षीय पाठ्यक्रम के प्रवेश में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा दिखाई दे रही है।

विधि स्नातक पांच वर्षीय पाठ्यक्रम में विश्वविद्यालय में 160 सीटें उपलब्ध हैं जिनके सापेक्ष करीब 7000 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हो चुके हैं जबकि आवेदन करने की अंतिम तिथि में 05 जुलाई है। इस प्रकार एक सीट के सापेक्ष लगभग 44 दावेदार हैं। इसी प्रकार बीबीए 320 एवं बीसीए 100 पाठ्यक्रम में 420 सीटों के सापेक्ष अभी तक लगभग 8000 आवेदन फॉर्म आ चुके हैं। अर्थात एक सीट के सापेक्ष बीबीए में करीब 14 दावेदार एवं बीसीए में 38 दावेदार दिखाई दे रहे हैं। जबकि आवेदन की अंतिम तारीख 05 जलाई है।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

एक सीट पर बीबीए में 14 और बीसीए में 38 दावेदार

- आज तक अभ्यर्थी कर सकते हैं आवेदन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक एवं स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में अब तक पिछले शैक्षणिक सत्र की तुलना में काफी अधिक आवेदन आ चुके हैं। विश्वविद्यालय के स्नातक एवं स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन आवेदन तहत पर्याप्त वृद्धि पिछले वर्ष की तुलना में दर्ज हुई है।

सबसे अधिक प्रतिस्पर्धा स्नातक विधि पांच वर्षीय पाठ्यक्रम (एलएलबी इंटीग्रेटेड पंचवर्षीय) एवं प्रबंधन (बीबीए व बीसीए) के पाठ्यक्रमों में देखी जा रही है। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि स्नातक पांच वर्षीय पाठ्यक्रम के प्रवेश में जबर्दस्त प्रतिस्पर्धा दिखाई दे रही है। विधि स्नातक पांच वर्षीय पाठ्यक्रम में विश्वविद्यालय परिसर 160 सीटें उपलब्ध हैं, जिनके सापेक्ष लगभग सात हजार ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हो चुके हैं जबकि आवेदन करने की अंतिम तिथि में 05 जुलाई है। इस प्रकार एक सीट के सापेक्ष लगभग 44 दावेदार हैं। इसी प्रकार बीबीए (320) और बीसीए (100) पाठ्यक्रम में 420 सीटों के सापेक्ष अभी तक लगभग आठ हजार आवेदन फॉर्म आ चुके हैं यानि कि एक सीट के सापेक्ष बीबीए में लगभग 14 दावेदार एवं बीसीए में 38 दावेदार दिखाई दे रहे हैं जबकि आवेदन की अंतिम तारीख 05 जुलाई है ।

- 2023-24 में बीबीए- 3700, बीसीए- 3392
- 2024-25 में बीबीए- 4120, बीसीए- 3786

एलएलबी (इंटीग्रेटेड पंचवर्षीय)

- 2023-24- 5464
- 2024-25- 6935

लविवि में कॉन्फ्रेंस की पुस्तक का हुआ विमोचन

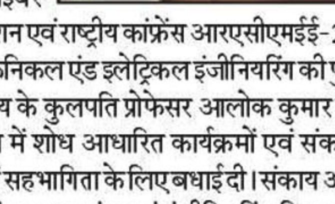

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में सत्र 2023-24 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस आईसीसीआईसीएस-2023 की पुस्तक रीसेंट एडवांसेस इन कम्प्यूटशनल इंटेलीजेंस एंड साइबर सिक्योरिटी, टेलर एंड फ्रांसिस प्रकाशन एवं राष्ट्रीय कांफ्रेंस आरएसीएमईई-2023 की रीसेंट एडवांसेस इन सिविल, मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पुस्तक श्रृंखला का लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने विमोचन किया। कुलपति ने संकाय में शोध आधारित कार्यक्रमों एवं संकाय के शिक्षकों और छात्रों की शोध कार्यों में सहभागिता के लिए बधाई दी। संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर एके सिंह ने बताया कि कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग और इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में टेलर एंड फ्रांसिस में 38 शोध पत्र, जो की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क, इमेज प्रोसेसिंग, इलेक्ट्रॉनिक ऑटोमेशन आदि नई भविष्य की तकनीकी पर शोध पत्र प्रकाशित किए गए। मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय कांफ्रेंस में 59 शोध पत्र जिसमें से 12 शोध पत्र ब्रिटेन, युगांडा, मॉरीशस, सऊदी अरब के डिलेगेट्स के द्वारा इंडस्ट्री 4.0, 3डी प्रिंटिंग, बायोमैकेनिक्स, नैनोटेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स संबंधित शोध पत्र प्रकाशित किए गए थे। इस अवसर पर कॉन्फ्रेंस के कोऑर्डिनेटर डॉ. जीशान अली सिद्दीकी, डॉ सिद्धार्थ सिंह, डॉ कमलेश तिवारी सहित कांफ्रेंस आर्गेनाइजिंग कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे।

LOKSATYA PAGE 2

इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की पुस्तक का विमोचन

आयोजन

- कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने किया विमोचन

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय की कांफ्रेस की पुस्तक का विमोचन किया। अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेस ICCICS-2023 की पुस्तक 'रीसेंट एडवांसेस इन कम्प्यूटशनल इंटेलीजेंस एंड साइबर सिक्योरिटी' , टेलर एंड फ्रांसिस प्रकाशन एवं राष्ट्रीय कांफ्रेस RACMEE-2023 की 'रीसेंट एडवांसेस इन सिविल,मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग' की पुस्तक श्रृंखला का कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने विमोचन किया। कुलपति ने संकाय में शोध आधारित कार्यक्रमों एवं संकाय के शिक्षकों और छात्रों की शोध कार्यों में सहभागिता के लिए बधाई दी।

संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर ए. के. सिंह ने बताया कि कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग और इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेस में टेलर एंड फ्रांसिस में 38 शोध पत्र, जो की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क, इमेज प्रोसेसिंग, इलेक्ट्रॉनिक ऑटोमेशन आदि नई भविष्य की तकनीकी पर शोध पत्र प्रकाशित किए गए । मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय कांफ्रेस में 59 शोध पत्र जिसमे से 12 शोध पत्र ब्रिटेन, युगांडा, मॉरीशस, सऊदी अरब के डिलेगेट्स के द्वारा इंडस्ट्री 4.0, 3D प्रिंटिंग, बायोमैकेनिक्स, नैनोटेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स संबंधित शोध पत्र प्रकाशित किए गए थे। इस अवसर पर कॉन्फ्रेंस के कोऑर्डिनेटर डॉ. जीशान अली सिद्दीकी, डॉ सिद्धार्थ सिंह, डॉ कमलेश तिवारी सहित कांफ्रेंस आर्गेनाइजिंग कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे।

JAGRAN CITY PAGE III

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति ने किया पुस्तकों का विमोचन

लवि के कुलपति ने राष्ट्रीय कांफ्रेंस की पुस्तक का किया विमोचन • सौजन्य से लवि

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने गुरुवार को अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में दो कांफ्रेंस की पुस्तकों का विमोचन किया। इनमें सत्र 2023-24 में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस आइसीसीआइसीएस-2023 की पुस्तक 'रीसेंट एडवांसेस इन कम्प्यूटशनल इंटेलीजेंस एंड साइबर सिक्योरिटी और टेलर एंड फ्रांसिस प्रकाशन एवं राष्ट्रीय कांफ्रेंस आरएसीएमइइ-2023 की 'रीसेंट एडवांसेस इन सिविल, मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पुस्तक शामिल है। संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर एके सिंह ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में टेलर एंड फ्रांसिस में 38 शोध पत्र प्रकाशित किए गए। वहीं, मैकेनिकल, सिविल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से राष्ट्रीय कांफ्रेंस में 59 शोध पत्र प्रकाशित हुए।

लखनऊ विश्वविद्यालय : एलएलबी इंटीग्रेटेड में एक सीट पर 66 दावेदार

- बीसीए में हर सीट पर 32 तो बीबीए में 15 आवेदन
- लवि ने स्नातक कोर्सों में आनलाइन आवेदन का अंतिम दिन आज

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में इस बार भी प्रोफेशनल कोर्सों में शामिल एल.एल.बी, बी.बी.ए और बी.सीए में दाखिले के लिए कड़ा मुकाबला होगा। गुरुवार को विश्वविद्यालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार अब तक एल.एल.बी पांच वर्षीय (इंटीग्रेटेड) कोर्स में एक सीट पर 66 अभ्यर्थियों ने आवेदन कर दिया है। वहीं, बी.बी.ए में एक सीट पर 15 तो बी.सी.ए में 32 दावेदार हैं। स्नातक कोर्सों में आनलाइन आवेदन का अंतिम दिन शुक्रवार को है।

लवि को नैक ए प्लस प्लस ग्रेड के साथ-साथ यूजीसी की ओर से ग्रेड वन विश्वविद्यालय का दर्जा मिलने के बाद यहां पढ़ने के लिए विदेशी विद्यार्थियों के साथ-साथ अभ्यर्थियों की रुचि बढ़ रही है। यही वजह है कि सत्र 2024-25 में स्नातक एवं स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में अब तक पिछले सत्र की तुलना में काफी अधिक आवेदन आ चुके हैं। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सबसे ज्यादा प्रतिस्पर्धा स्नातक विधि पांच वर्षीय पाठ्यक्रम (एलएलबी) एवं प्रबंधन (बीबीए, बीसीए) के पाठ्यक्रमों में है। अभी तक एल.एल.बी में पांच वर्षीय पाठ्यक्रम में विश्वविद्यालय परिसर की 160 सीटों के सापेक्ष 6935 आवेदन आ चुके हैं। बी.बी.ए की 320 और बी.सी.ए की 100 सीटों के सापेक्ष गुरुवार तक 7906 आवेदन फार्म आ चुके हैं। हालांकि शेष कोर्सों के आंकड़े अभी नहीं जारी किए गए हैं।

दो वर्ष में आए आवेदन

कोर्स	सत्र 2023-24	2024-25
बीबीए	3700	4120
बीसीए	3392	3786
एलएलबी	5464	6935

आठ को जारी होंगे प्रवेश पत्र: प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि स्नातक के सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षाएं 11 जुलाई से शुरू होंगी। इसके लिए प्रवेश पत्र आठ जुलाई को जारी होंगे। विश्वविद्यालय में स्नातक एवं स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों की लगभग 4250 सीटें हैं।

पीजी व डिप्लोमा कोर्सों में 17 तक मौका: परास्नातक एवं डिप्लोमा कोर्सों में आनलाइन आवेदन के लिए 17 जुलाई तक मौका दिया गया। अभ्यर्थी https://www.lkouniv.ac.in/ के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।